22. भारत में परिवहन

1. सड़क परिवहन

- भारत दुनिया के सबसे बड़ी सड़क-प्रणाली वाले देशों में एक है। देश में सड़कों की कुल लम्बाई लगभग 42.36 लाख किमी. है। (मार्च 2011 तक)

(i) **राष्ट्रीय राजमार्ग:** इसके निर्माण, प्रबन्धन एवं रख-रखाव की जिम्मेदारी भारत सरकार द्वारा निभायी जाती है। इनका नियंत्रण केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जाता है। वर्तमान में इसके तहत 70,934 किमी. (मार्च 2009 तक)लम्बी सड़कें शामिल हैं। यह सम्पूर्ण देश के सड़कों के कुल लम्बाई का लगभग 2% है, जो सड़क परिवहन का लगभग 40% यातायात सम्पन्न कराती है।

कुछ प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग

राष्ट्रीय राजमार्ग	कहां से कहां तक	कुल लम्बाई (किमी.)
राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-1.	दिल्ली-पाक सीमा तक	1,226
राष्ट्रीय राजमर्ग संख्या-2.	दिल्ली-कोलकाता	1,490
राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-3.	आगरा-मुम्बई	1,161
राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-4.	मुम्बई-चेन्नई	1,415
राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-5.	कोलकाता-चेन्नई	1,610
राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-6.	कोलकाता-मुम्बई	1,945
राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-7.	वाराणसी-कन्याकुमारी	2,369
राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-8.	दिल्ली-जयपुर-मुम्बई	2,058

- भारत का सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग-7 है जो उत्तरप्रदेश में 128 किमी., मध्य प्रदेश में 504 किमी. महाराष्ट्र में 232 किमी., आन्ध्र प्रदेश में 753 किमी., कर्नाटक में 125 किमी. तमिलनाडु में 627 किमी. (कुल 2,369 किमी.) लम्बी है।
- भारत का सबसे छोटा राष्ट्रीय राजमार्ग 47-। है, जिसकी लम्बाई मात्र 6 किमी. है।
- स्वर्णिम चतुर्भुज योजना के अन्तर्गत 5846 किमी. लम्बे राष्ट्रीय राजमार्ग द्वारा चार महानगरों दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई एवं कोलकाता को जोड़ा जाएगा।
- राष्ट्रीय राजमार्ग विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत बनने वाली उत्तर दक्षिण गालियारा से श्रीनगर को कन्याकुमारी से तथा पूर्व-पश्चिम गलियारा से सिलचर को पोरबंदर से जोड़ा जाएगा।

(ii) **राज्य राजमार्ग:** इसकी निर्माण एवं रखरखाव की जिम्मेवारी राज्य सरकार की होती है। मार्च 1997 ई. में भारत में जवाहर रोजगार योजना वाली सड़कों को छोड़कर अन्य सभी (पक्की एवं कच्ची दोनों) सड़कों की कुल लम्बाई 24,65,877 किमी. थी।

कुछ राज्यों में सड़कों की लम्बाई

राज्य	पक्की सड़कों (किमी.)	कच्ची सड़कों (किमी.)	कुल (किमी.)
बिहार	32,998	55,354	88352
मध्यप्रदेश	88,620	1,11,517	2,00137
महाराष्ट्र	2,71,684	90,209	3,61703
उड़ीसा	86,929	1,75,774	2,62,703
उत्तर प्रदेश	1,48,303	1,07,164	2,55,467

- भारत में सबसे अधिक सड़कों वाला राज्य महाराष्ट्र है।
- सर्वाधिक पक्की सड़कों वाला राज्य भी महाराष्ट्र है।
- सर्वाधिक कच्ची सड़कों वाला राज्य उड़ीसा है।
- भारत में सड़कों का सर्वाधिक घनत्व केरल में तथा सबसे कम जम्मू-कश्मीर में है।
- सड़क निर्माण क्षेत्र में निजी भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने ''बनाओं, चलाओं और हस्तांतरित करो'' ((B.O.T.) की नीति अपनाई।
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत 500 की आबादी वाले सभी गांवों को बारहमासी सड़कों से जोड़ना है।
- विश्व का सबसे ऊंचा सड़क मार्ग लेह-श्रीनगर मार्ग है, जो काराकोरम दर्रे को पार करता है। इसकी ऊंचाई लगभग 3,450 मी. है।

नोट: सीमावत्ती सड़कों का निर्माण एवं प्रबंधन सीमा सड़क विकास बोर्ड द्वारा किया जाता है। सीमा सड़क संगठन की स्थाना 1960 ई. में हुई थी। अपने गठन के समय से लेकर मार्च 2001 ई. तक संगठन ने 29,139 किमी. लम्बी लड़कों का निर्माण एवं 34,360 किमी. लम्बी सड़कों को पक्का करने का कार्य पूरा किया है। यह संगठन कुल मिलाकर 17,435 किमी. लम्बी सड़कों का रखरखाव करता है।

- एशिया का सबसे बड़ा रोप वे (रज्जुमार्ग) गढ़वाल में जोशीमठ एवं ऑली को जोड़ता हैं जिसकी लम्बाई 500 मी. है।

2. रेल परिवहन

- भारतीय रेल एशिया की सबसे बड़ी तथा विश्व की दूसरी सबसे बड़ी रेल व्यवस्था है।
- भारत में सर्वप्रथम रेल व्यवस्था की शुरुआत अप्रैल, 1853 ई0 में मुम्बई से थाणे (34 किमी.) के बीच प्रारंभ हुई थी।
- विश्व की सबसे पहली रेलगाड़ी 1835 ई. में लीवरपूल से मैनचेस्टर के बीच चली थी।
- भारतीय रेलवे बोर्ड की स्थापना मार्च, 1905 ई. की थी।
- रेल वित्त को वर्ष 1925 ई. से **एकवर्थ कमिटी** की सिफारिश पर सामान्य राजस्व से अलग किया गया।
- भारतीय रेल का राष्ट्रीयकरण 1950 ई. में हुआ।
- **देश मे तीन प्रकार की रेल लाइनें हैं-**

बड़ी लाइन पटरियों की चौड़ाई	1.676 मीटर
मीटर गेज पटरियों की चौड़ाई	1.000 मीटर
नैरो गेज पटरियों की चौड़ाई	0.610 मीटर

- भूमिगत मेट्रो रेल की सुविधा कोलकाता एवं दिल्ली में है। इसकी शुरुआत 24 अक्टूबर, 1984 को कोलकाता में हुई।
- भारतीय रेल प्रशासन तथा प्रबन्ध की जिम्मेदारी रेलवे बोर्ड पर है। रेलवे को 17 मंडलों में (जो पहले 9 था) बांटा गया है। प्रत्येक मंडल का प्रधान महाप्रबंधक होता है।

भारत के रेल-मंडल एवं उनके मुख्यालय

रेल-मंडल	मुख्यालय
1. उत्तर-रेलवे	नई दिल्ली
2. पश्चिम रेलवे	चर्च गेट मुम्बई
3. दक्षिणी रेलवे	चेन्नई
4. पूर्व रेलवे	कोलकाता
5. मध्य रेलवे	मुम्बई सेन्ट्रल
6. द0 मध्य रेलवे	सिकन्दराबाद
7. द. पूर्व रेलवे	कोलकाता
8. पूर्वोत्तर रेलवे	गोरखपुर
9. उत्तरी-पूवी सी. रेलवे	मालेगांव
10.पूर्व-मध्य रेलवे	हाजीपुर
11.उत्तर-मध्य रेलवे	इलाहाबाद
12.पश्चिम मध्य रेलवे	जबलपुर
13.दक्षिण-पश्चिम रेलवे	हुबली
14.उत्तरी-पश्चिम रेलवे	जयपुर
15.पूर्व तट रेलवे	भुवनेश्वर
16.द. पूर्व-मध्य रेलवे	बिलासपुर
17. कलकत्ता मेट्रो	**कलकत्ता**

- **देश में सबसे लम्बी दूरी तय करने वाली रेलगाड़ी विवेक एक्सप्रेस है, जो डिब्रूगढ़ से कन्याकुमारी तक 4241 किमी. दूरी तय करती है।**
- विश्व का सबसे लम्बी रेलमार्ग ट्रांस-साइबेरियन रेलमार्ग है, जो लेनिनग्राड से ब्लाडीवॉस्टक तक 9,438 किमी. लम्बा है।
- भारतीय रेल व्यवस्था के अन्तर्गत 31 मार्च, 2006 तक कुल 36,465 किमी. लम्बा रेलमार्ग बिछा हुआ था। इसका लगभग 30% भाग विद्युतीकृत है।
- प्रथम बिजली से चलने वाली गाड़ी **डेक्कन क्वीन** थी, जो बम्बई एवं पुणे के मध्य चली थी
- कोंकण रेलवे महाराष्ट्र के रोहा से प्रारंभ होकर गोवा के मुदगांव तक जाती है। इसकी कुल 760 किमी. है। इस रेलमार्ग पर पहली बार रेल परिचालन 26 जनवरी, 1981

को हुआ। इस रेलमार्ग से लभान्वित होने वाले राज्य महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक एवं केरल है।

- रेल इंजन निर्माण के कारखाने चितरंजन, वाराणसी तथा भोपाल में स्थित है। सबारी डिब्बों का निर्माण पेरंबूर (चेन्नई के निकट), कपूरथला, कोलकाता तथा बंगलौर किया जाता है।

3. **वायु परिवहन**

- भारत में वायु परिवहन की शुरुआत 1911 ई. में हुई, जब इलाहाबाद से नैनी के बीच विश्व की सर्वप्रथम विमान डाक सेवा का परिवहन किया गया।
- 1933 ई. में, इण्डियन नेशनल एयरवेज कंपनी की स्थापना हुई। 1953 ई. में सभी वैमानिक कम्पनियों का राष्ट्रीयकरण करके उन्हें दो नवनिर्मित निगमों के अधीन रखा गया–

  (i) भारतीय विमान निगम, (ii) एअर इंडिया।
- भारतीय विमान निगम (Indian airlines) देश के आंतरिक भागों के अतिरिक्त समीपवर्त्ती देश नेपाल, बाग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, श्रीलंका, म्यानमार तथा मालदीव को अपनी सेवाएं उपलब्ध कराता है।
- एयर इंडिया विदेशों के लिए सेवाएं उपलब्ध करता है।
- 1981 ई. में देश मे घरेलू उड़ान के लिए वायुदूत नामक तीसरे निगम की स्थापना की गयी थी, जिसका बाद में भारतीय विमान निगम में विलय हो गया।
- 24 अगस्त, 2007 को सार्वजनिक क्षेत्र की मिनन कंपनियां एयर इंडिया एवं भारतीय विमान निगम (इंडियन एयरलांइस) का विलय हो गया। यह दोनों कंपनियां अब नेशनल एविएशन कंपनी ऑफ इण्डिया लिमिटेड (NACIL) के नाम से कार्यरत हो गयी। कंपनी का ब्रांड नाम ''एयर इण्डिया'' है।
- भारतीय विमानपत्तनम प्राधिकार का गठन 1 अप्रैल, 1995 को किया गया था। प्राधिकरण देश में 15 अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों और 87 घरेलू हवाई अड्डे और 25 नागरिक विमान टर्मिनलों सहित 127 हवाई अड्डों का प्रबन्धन कर रहा है।

4. **जल परिवहन**

- केन्द्रीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण की स्थापना 1987 ई. में की गयी थी। इसका मुख्यालय कोलकाता में है।
- देश के जलमार्गों को दो भागों में बांटा गया है– 1. आन्तरिक जलमार्ग, 2. सामुद्रिक जलमार्ग
- **आन्तरिक जलमार्ग:** यह परिवहन नदियों, नहरों एवं झीलों के द्वारा होता है। हल्दिया से इलाहाबाद तक जलमार्ग का 22 अक्टूबर, 1986 ई. को राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या–1 घोषित किया गया।
- **सामुद्रिक जलमार्ग:** इस दृष्टि से भारत का सम्पूर्ण प्रायद्वीपीय तटीय भाग काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। देश की मुख्य भूमि की 6100 किमी. लम्बी तटरेखा पर 13 बड़े एवं 200 छोटे व मंझोले बन्दरगाह स्थित हैं।
- देश का सबसे बड़ा बन्दरगाह मुम्बई में है।

  बड़े बंदरगाहों का नियंत्रण केन्द्र सरकार करती है, जबकि छोटे बन्दरगाह संविधान की समवर्ती सूची में शामिल हैं, जिनका प्रबन्धन संबंधित राज्य सरकार करती है।
- गुजरात स्थित कांडला एक ज्वारीय बन्दरगाह है। यह मुक्त व्यापार–क्षेत्र वाला बंदरगाह है।
- चेन्नई एक कृत्रिम बंदरगाह है। यह भारत का सबसे प्राचीन बंदरगाह है।
- कुद्रेमुख से लौह अयस्क का ईरान को निर्यात न्यू मंगलौर बंदरगाह से किया जाता है।